International Conference on Latest Trends in Science, Engineering, Management and Humanities (ICLTSEMH -2025)
19th January, 2025, Noida, India.

CERTIFICATE NO : ICLTSEMH /2025/C0125213

राजस्थान में क्षेत्रीय रोजगार सृजन पर कृषि के प्रभाव का मूल्यांकन

Dhanna Ram

Research Scholar, Ph. D. in Geography
Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore, M.P., India.

सारांश

राजस्थान में कृषि क्षेत्र क्षेत्रीय रोजगार सृजन का एक प्रमुख स्रोत है, जो विशेष रूप से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। राज्य की भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियाँ कृषि उत्पादन को प्रभावित करती हैं, जिससे रोजगार के अवसरों में भी उतारचढ़ाव आता है। सिंचित क्षेत्रों में विविध फसल उत्पादन और आधुनिक कृषि - तकनीकों के प्रयोग से रोजगार के अवसर बढ़ते हैं, जबकि असिंचित एवं शुष्क क्षेत्रों में वर्षा आधारित खेती और पारंपरिक कृषि पद्धतियाँ रोजगार संभावनाओं को सीमित कर देती हैं। कृषि में श्रमिकों की मांग बुवाई, निराई-गुड़ाई, कटाई और फसल प्रसंस्करण जैसे कार्यों में अधिक होती है, जिससे मौसमी रोजगार सृजन होता है। इसके अलावा, दुग्ध उत्पादन, पशुपालन, बागवानी और कृषि आधारित कुटीर उद्योग भी रोजगार प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सरकार द्वारा चलाए जा रहे कृषि सुधार कार्यक्रम, सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों और कृषि विविधीकरण को प्रोत्साहित करने वाली योजनाएँ रोजगार सृजन की संभावनाओं को बढ़ा सकती हैं। इस अध्ययन के माध्यम से यह मूल्यांकन किया जा सकता है कि राजस्थान में कृषि का क्षेत्रीय रोजगार पर क्या प्रभाव पड़ रहा है और इसे अधिक प्रभावी बनाने के लिए किन सुधारों की आवश्यकता है।